पाठ - 31 : परियोजना कैसे लिखें

मुख्य विषय

परियोजना किसी समस्या के निदान या किसी विषय के तथ्यों को प्रकाशित करने के लिए तैयार की गई एक पूर्ण विचार योजना होती है। हमें आए दिन किसी-न-किसी समस्या का सामना करना पड़ता है और हम उससे निपटने के लिए कोई-न-कोई तरीका सोचते रहते हैं। हम उसके सभी पहलुओं को जानने की कोशिश करते हैं। समस्या का कारण क्या है, समस्या कितनी गहरी है, इसका क्या प्रभाव पड़ रहा है या पड़ेगा, कितने लोग उससे प्रभावित हैं या होंगे आदि। फिर हम उस समस्या के निदान या समाधान के बारे में सोचते हैं। उसके निदान की सभी संभावनाओं और उपायों का विचार करते हैं। इस तरह हमारे मन में तैयार यह पूरी विचार योजना एक प्रकार की परियोजना होती है।

इस पाठ में परियोजना का अर्थ, परियोजना का महत्व, परियोजना का स्वरूप - पाठ आधारित शैक्षिक परियोजना तथा शुद्ध ज्ञान के विषयों पर आधारित परियोजना और परियोजना तैयार कैसे करें आदि विषयों के बारे में विस्तार से बताया गया है।

मुख्य बिंदु

परियोजना का महत्व :-

- आप अपने पूर्व ज्ञान के आधार पर नए विषयों के ज्ञान की ओर उन्मुख होते हैं।
- आपके अंदर नए-नए विषयों के प्रति चिंतन करने की प्रवृत्ति का विकास होता है।
- खेल-खेल में बहुत-सी नई बातें सीखते हैं।
- नए-नए तथ्यों के संग्रह करने का अभ्यास होता है।
- पाठ्य सामग्री के अलावा अन्य पुस्तकों को पढ़ने की रुचि विकसित होती है।
- लेखन संबंधी नई-नई शैलियों का अभ्यास तथा प्रयोग करना सीखते हैं।
- आपका अर्जित भाषा-ज्ञान समृद्ध तथा व्यावहारिक रूप ग्रहण करता है।

- आप अपने पूर्व ज्ञान के आधार पर नए विषयों के ज्ञान की ओर उन्मुख होते हैं।
- आपके अंदर नए-नए विषयों के प्रति चिंतन करने की प्रवृत्ति का विकास होता है।
- खेल-खेल में बहुत-सी नई बातें सीखते हैं।
- नए-नए तथ्यों के संग्रह करने का अभ्यास होता है।
- पाठ्य सामग्री के अलावा अन्य पुस्तकों को पढ़ने की रुचि विकसित होती है।
- लेखन संबंधी नई-नई शैलियों का अभ्यास तथा प्रयोग करना सीखते हैं।
- आपका अर्जित भाषा-ज्ञान समृद्ध तथा व्यावहारिक रूप ग्रहण करता है।

परियोजना के प्रकार :-

- परियोजना तैयार करने के कई तरीके हो सकते हैं। हर व्यक्ति की परियोजना तैयार करने की शैली अलग हो सकती है, जैसे-निबंध, कहानी, कविता लिखने या चित्र बनाते समय हम अलग-अलग तरीके अपनाते हैं |
- हम परियोजना को मोटे तौर पर दो भागों में बाँट सकते हैं-एक तो वे, जो समस्याओं के निदान के लिए तैयार की जाती हैं और दूसरी वे जो किसी विषय की समुचित जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार की जाती हैं।
- शुद्ध ज्ञान के विषयों पर आधारित परियोजना : समस्याओं के निदान के लिए तैयार की जाने वाली परियोजनाओं में संबंधित समस्या से जुड़े

सभी तथ्यों पर प्रकाश डाला जाता है और उस समस्या के समाधान के लिए सुझाव भी दिए जाते हैं।इस तरह की परियोजनाएँ प्रायः सरकारी अथवा दूसरे संगठनों द्वारा किसी समस्या पर कार्य योजना तैयार करते समय बनाई जाती हैं। इससे उस समस्या के विभिन्न पहलुओं पर कार्य करने में आसानी हो जाती है।

- पाठ आधारित शैक्षिक परियोजना : दूसरे प्रकार की परियोजना आप आसानी से तैयार कर सकते हैं। इसे शैक्षिक परियोजना भी कहा जा सकता है। इस तरह की परियोजनाएँ तैयार करते समय आप संबंधित विषय पर तथ्यों को जुटाते हुए बहुत सारी नई-नई बातों से अपने आप परिचित भी होते चले जाते हैं।

परियोजना तैयार कैसे करें

- परियोजना के लिए दिए गए विषय को पूरी तरह समझें।
- दिए गए विषय से संबंधित आँकड़े जुटाएँ।
- अखबारों में छपे विषय संबंधी समाचार एकत्रित करें।
- समस्या से संबंधित चित्र प्राप्त करें।
- यदि ग्राफिक और रेखाचित्र पुस्तकों और पत्र-पत्रिकाओं में आसानी से उपलब्ध हैं तो उन्हें भी इकट्ठा करें।
- परियोजना तैयार करने से पहले उसकी एक अच्छी-सी भूमिका लिखें और फिर उसी के आधार पर परियोजना तैयार करें।
- आँकड़ों के आधार पर समस्या के विभिन्न पहलुओं का एक-एक कर, अलग-अलग उदाहरणों के रूप में शीर्षक के साथ विश्लेषण करें।
- हर पहलू का सटीक वर्णन करें।
- जो भी आँकड़े, चित्र, रेखाचित्र, ग्राफिक, विज्ञापन आदि प्रमाणस्वरूप दें, उनके स्रोत यानी उसे आपने कहाँ से प्राप्त किया उसके बारे में अवश्य उल्लेख करें। (उदाहरण के लिए- पत्र-पत्रिका का नाम, अंक, दिनांक आदि)।
- विश्लेषण तथ्यों पर आधारित सटीक होना चाहिए। विश्लेषण करते समय भावना में न बहें।
- किसी से सुनी हुई बात को प्रमाणस्वरूप प्रस्तुत न करें। सही स्रोत से उसकी पुष्टि करने के बाद ही उसका उल्लेख करें।

अपना मूल्यांकन कीजिए

- परियोजना लिखने की क्यों आवश्यकता होती है ? स्पष्ट कीजिए।
- परियोजना तैयार करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
- परियोजना के प्रकार को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।